CLANDESTINE GOLD MARKET IN CALCUTTA

- \*243. SHRI DEVI SINGH: Will the Minister of Finance be pleased to state:
- (a) whether Government's attention has been invited to a Press report in the 'Statesman' dated the 30th December, 1964 (front page, c. 3) to the effect that a clandestine gold market is operating in Calcutta without hindrance; and
- (b) if so, what are the facts in the matter?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR SAHU): (a) Yes, Sir.

(b) The position stated in the Press report is not correct. Although there are infringements of the Gold Control Rules, it is not correct to say that clandestine markets are increasing in Calcutta and other big cities. However, surveillance is being maintained in bullion markets as well as over the activities of refiners, dealers and goldsmiths. It is also not correct that the number of self-employed goldsmiths is increasing.

श्री देवी सिंह: क्या माननीय मंत्री जी यह मानते हैं कि इस तरह का मार्केट बिल्कुल नहीं है ? अगर है तो कितनी हद तक है ?

श्री बी॰ आर॰ भगतः कुछ तो है लेकिन वह किस हद तक है, यह बताना मुश्किल है।

श्री देवी सिंह: सरकार ने अब तक जो सोना पकड़ा है, उससे इस संबंध में कुछ अन्दाज बना है या नहीं बना है?

श्री बी० आर० भगत: इस बारे में अन्दाज लगाना मुश्किल है। अगर कोई कानून भंग करता है, इस तरह के काम करते हैं जो कि गोल्ड अधिनियम के खिलाफ है, तो हम उसके खिलाफ कार्यवाही करते हैं।

श्री ए० बी० वाजपेयी: क्या माननीय मंत्री जी को इस बात की जानकारी है कि केवल कलकत्ते में ही नहीं, बल्कि दिल्ली में भी केन्द्रीय सरकार की नाक के नीचे सोने का अवैध व्यापार चल रहा है और बड़ी माता में मुहर लगा सोना किसी भी कीमत पर खरीदा जा सकता है ? उत्तर में यह स्वीकार किया गया है कि स्वर्ण नियंत्रण कानून के बावजूद भी चोरी छिपे सोना बेचा जा रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस परिस्थित पर भी विचार करेगी कि कानून में संशोधन किया जाये या फिर स्वर्ण नियंत्रण कानून को पूरा समाप्त ही कर दिया जाये ?

श्री बी० आर० भगत: यह सवाल कलकत्ते के बारे में है। माननीय सदस्य ने दिल्ली की वर्षा की है और यह बात सहीं है कि जो कुछ छूट दी गई थी अधिनियम में उसकी वजह से इस तरह की बातें हो रही हैं। वित्त मंत्री जी ने भी हाउस में कहा था कि कुछ इस कानून का दुरुपयोग होगा और कुछ सोना जो अवैध है उसका चलन भी होगा। मगर हम इस तरह की बातों पर नजर रखें हुए हैं और मौका आते ही उसको रोकने की कोशिश करेंगे।

Shri A. D. MANI: May I draw the attention of the hon. Minister to the very ambiguous answer given by his Deputy? Hefirst said that the allegation was not correct. Later he said that a watch was being kept on the bullion markets. That means to say that the Minister is not sure about the facts. Has the Government called for a report on this subject from the West Bengal Government, and has the West Bengal Government denied the existence of a clandestine gold market? I would like the Minister of State to answer this question specifically.

Shri B. R. BHAGAT: The question is whether there is clandestine market going on in Calcutta. We say this report is not correct. There is no clandestine market going on in Calcutta like that. Actually in West Bengal 37,042 applications were received from goldsmiths. The number was very large. We requested the West Bengal Government to verify it. They said, "Yes, though the number is large, they are

correct". So licences have been given and there is no question of any clandestine market going on.

Oral Answers

Shri BHUPESH GUPTA: The hon. Minister said that there is no clandestine market in Calcutta. May I know, Sir, how they have come to this conclusion? Have they held proper investigations before coming to this conclusion, or is it just one of their fancies and surmises? I should like to know how they arrived at it. We know that in Calcutta it is going on.

MR. CHAIRMAN: You have put the question. He will tell you.

SHRI BHUPESH GUPTA: How is it that the Minister has come to this conclusion? I should like to know whether he arrived at this conclusion through some investigation.

SHRI B. R. BHAGAT: The question is that clandestine market is going on without hindrance. We have admitted that there are certain persons operating in clandestine market.

## ब्रिटेन की समुद्रपार विकास मंत्री के साथ हुई बातचीत

\*244. श्री विमलकुमार मन्नालाल जी चौरड़िया† : श्री एन० सी० राय रेड्डी :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ब्रिटेन की समुद्र-पार विकास मंत्री, श्रीमती बारबरा केसल जब जनवरी, 1965 के महीने म इस देश के दौरे पर थीं, तब उनके साथ जो बातचीत हुई, उसका उद्देश्य क्या था उसके क्या और परिणाम निकले ?

DICUSSIONS HELD WITH THE BRITISH MINISTER FOR OVERSEAS DEVELOPMENT

\*244. { SHRI V. M. CHORDIA† : SHRI N. SRI RAMA REDDY :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state the object and outcome of the dis-

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri V. M. Chordia.

[ ] English translation.

cussions held with Britain's Overseas Development Minister, Mrs. Barbara Castle, while she was on a visit to this country during the month of January, 1965?

योजना मंत्री (श्री बी॰ आर॰ भगत) : श्रीमती बारवरा केसल के दौरे का उद्देश्य स्थूल रूप से भारत की आर्थिक विकास सम्बन्धी आयोजनाओं की जानकारी प्राप्त करना था। इसलिए भारत के सम्पूर्ण आर्थिक विकास पर उनके साथ सामान्य ढंग की बातचीत हुई ।

†[THE MINISTER OF PLANNING (SHRI B. R. BHAGAT): The object of Mrs. Barbara Castle's visit was to acquaint herself broadly with India's economic development plans. The discussions with her were therefore of a general nature on India's economic development as a whole.]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया: श्रीमान् यह बतलाने की कृपा करेंगे कि उन्होंने अपनी दृष्टि से जितनी जानकारी प्राप्त करनी थीं वह कर लीं। हमने अपनी दृष्टि से भीं चाहे वह सहयोग की दृष्टि से हो, चाहे सीखने की दृष्टि से हो, इस तरह की जानकारी के बारे में उनसे चर्चा की अथवा नहीं? अगर की तो क्या की?

श्री बी० आर० भगत: जैसा मैंने कहा कि जो चर्चा उनसे हुई वह एक लम्बे दायरे के ऊपर हुई। इस बारे में क्या क्या बातें हुई, उसकी तफसील में जाना मुश्किल होगा।

श्री विभलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : श्रीमान् ने यह प्रकट किया कि वे आधिक विकास योजनाओं की जानकारी के संबंध में यहां आई थीं। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि भारत सरकार ने भी अपनी ओर से कुछ सहयोग प्राप्त करने के बारे में उनसे

<sup>†[ ]</sup> English translation.